



काँशरि ज़बॉन्य हुंद बुन्याँदी काँयदु कश्मीरी भाषा प्रवेशिका KASHMIRI PRIMER



ई-पाठशाला

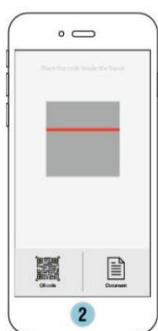
क्यूआर (QR) कोड से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्लिक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला epathshala.nic.in के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।



प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें



क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें



स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें



लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें



उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—
<https://epathshala.nic.in/topics.php> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

 दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। दीक्षा का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।



अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें



अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी



पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें



क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें



कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें



क्लिक करके क्यूआर कोड से संबंधित ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—
<https://diksha.gov.in/resources> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।



“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

कॉशरि ज़बॉन्य हुंद बुन्यौदी कॉयदु
कश्मीरी भाषा प्रवेशिका
KASHMIRI PRIMER



भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

कॉशरि ज़बॉन्य हुंद बुन्यौदी कौयदु
कश्मीरी भाषा प्रवेशिका
KASHMIRI PRIMER

A basal reader of Kashmiri alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-970852-3-9

First Edition: May, 2025

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2025

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Nandakumar L.

Cover Photo: Hilal Ahmad Dar

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.



संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy



संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित होंगे।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों; जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मई 2025
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएँ बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गए अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

भारत छु वाँसुवादव प्यठु अख कसीर लिसॉनी मुल्क रुदमुत, यथ मंज वार्याह जबानु मुलकुक्येन वार्याहन अलाकन मंज बोलनु छि यिवान। सॉनिस दोहुदिशकिस कारुबारस मंज मुखतलिफ जबानन हुंद-इस्तेमाल छि अख आम खसूसियता। यि छु असि यिकुवट करान तु मुतहिद थावान। कौमी तॉलीमी पालसी (एन.ई.पी.) 2020 छि अथ ख्यालस प्यठ सख्ती सान जोर दिवान जि भारतँच कसीर लिसॉनी नवियत छि अख वार्याह बोड़ खजानु, यथ मुलकँचि समॉजी, सक्राफती तु तॉलीमी तरक्की खॉतरु असरदार तरीकस मंज इस्तेमाल करनुच जरूरथ छि। यि छु प्रथ सतहस प्यठ तॉलीमि मंज कसीर लिसॉनी अज़्मस फ़रोग दिनुच सुफारिश करान ताकि हेछन वालेन शुर्येन मेलि पनुनि ज़बॉन्य मंज तॉलीम हॉसिल करनुक मोक्क। भारतीय ज़बानन मंज तॉलीम परनावनु तु हेछनावनुक मवाद बनावनु सुत्य मेलि अथ कसीर लिसॉनी

खज़ानस फ़रोग दिनस तु 'विकसित भारत' तौमीर करनस मंज़ बेहतर मोकु फराहम। येम्युक कोल छु जि एन.ई.पी. 2020 चव सुफ़ॉरिशव मुतौबिक गछि इबतिदाई दर्जुक प्राइमर तयार करनु खौतरु अकि ज़ोरदार तु मुशतमिल नज़रियिच जरूरत आसुन्य, युस हेन्दोस्तानस मंज़ प्यठ अलाकचि मुनफरिद लिसौनी तु सक्राफ़ती खसूसियतन प्यठ तवज्जो दिवान आसि। यिमन प्राइमरन हुद मकसद छुनु सिर्फ़ परनस तु लेखनस मंज़ जबानि हंज़ महारथ फराहम करुन्य बल्कि इबतिदाई मरहलुक्येन हेछन वालेन मंज़ तखलीकी सलौहियतस तु तनकीदी सौचस ति फ़रोग द्युना। यि छु कुनि ज़बौन्य हेछन अछरन हंज़ ज़ान, हयेजि समजनुच तु तल्लफ़ुज़ हयेछिनावनुक आसान तरीकु पेश करान। यि छु बचन, यिमन अछरन हंदि अकि या जयादु मजमुअन हंदिस मान्येहस सौत्य ति वॉक्कफ करान, युस शब्दन हंदि शरुआती, मंज़म्यि तु आखरी अवस्थायि हंदि म्युल गछनु सुत्य पौदु छु स्पदान। तमि अलावु छु यि तिमु मिसालु फराहम करान यिम ब्रौहकुन यिनु वाल्येन हरफन हंदि लखनुच अमल छि आसान बनावान तु बचन बौथ ह्येछनु तु ज़बानि हंज़ इल्मी महारथ बडावनस मंज़ मदद छु करान।

मई 2025
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Kashmiri Primer (Devanagari) Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi

Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru

Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi

Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi

Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Person

Gaurishankar Raina, Media Personality, Writer, Translator and Former Member, Kashmiri Advisory Board,
Sahitya Akademi

Reviewer

Roop Krishen Bhat, Author, Linguist, Translator, Media freelancer & Formerly Professor, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru

Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre,
(CIIL), Guwahati

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL),
CIIL, Mysuru

Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

Yuvaraj S, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

कौशुर प्राइमर किथु कॅन्य छु इस्तेमाल करुन

कौमी तौलीमी पालसी 2020 तु कौमी निसाब फ्रेमवर्क 2022 छि त्रेयि प्यठु आँठ वॉसि हेंदयेन शुर्येन तहजिं माजि जेवि, गरेलू जबॉन्य, मुकौमी जबानि तु अलाकाई जबानन मंज तौलीम दिनुकिस अहमितयस प्यठ तवोजोह दिवान। यि प्राइमर छु खास पौठ्य बचन हुंजि जबॉन्य हंदि नशोनुमा खौतर तु यि यकीनी बनावनु खौतर तैयार करनु आमुत जि बच्चु ह्योकि बाँर हिचकिचाहट जबान समझिथ, हेछिथ तु कथ बाथ करिथ। शुर्येन हुंज, जबानि मंज महारथ बडावनु खौतर छि प्रथ हिसस मंज जुमलु शौमिल करनु आमुत्या। उस्ताद हयेकन यिम ज़ोर पौठ्य पॅरिथ तु शुर्येन बहसस मंज शौमिल करिथ। त्रेन जबानन हंज पालसी तु हिंदुस्तान लिसानी तौर कुसमु-कुसमुचन जबानन हुंद मुल्क आसनुक वजह ज़ेहनस मंज थौविथ छु यि प्राइमर न सिर्फ पनुनि मादरी जबॉन्य हंद्य लफज हेछिबेयन मंज मदद करान बल्कि छु तिमन बेयिस जबानि हंज ज्ञानकौरी ति दिवान। यि छु शुर्येन पनुन अलिम बडावनस कौबिल बनावान तु अथ्य सँत्य छु तिमन कम वॉसि मंजय हिंदुस्तानुच विविधिता ति कबूल करुन्य हेछिनावान। यि किताब छि चीज़न हंजु मिसालु दिथ अकि प्यठु वुहस ताम ग्रदिहुंद इस्तेमाल ति हेछिनावान।

आवजि हुंद तारुफ : शुर्य वुछन प्रथ कांह शकुल गोरु सान तु करन नावस सुत्य वाबसतु कुनि चीजँच पहचान। उसताद करन परन वाल्येन बच्चन तस्वीरस सुत्य वाबसतु लफजुचि इबतिदाई आवजि हंज पहचान करनु खातरु होसलु अफज़ाई मिसाले येलि "अ" सुत्य 'अमरुद' या 'अल' छि पेश करनु यिवान, बच्चु छि ह्येछान जि यि छु "अ" आवाजि सुत्य शुरु गछान।

हरफन हुंद तारुफ : इबतिदाई तोरस प्यठ करि उस्ताद, बचन निश अमचि विजुअल नुमायन्दगी हंज बावथ, यानी 'अ' हरफुक तारुफ। अमि पतु यिन परन वाल्येन शुर्येन लफज़न हंदिस, अकिस दिनु आमुतिस सेटस अन्दर, 'अ' हरफ छांडनु खौतरु वनँनु। अमि पतु करन शुर्य 'अ' हरफस सुत्य वाबसतु आवाज त्रेन था अमि खोतु ज्यादु लफज़न मंज याद तु करन 'अ' हरफ लेखनस सुत्य वौकफ गच्छनु खौतरु, अथु सुत्य लेखनुच मशक ति ।

परुन : बच्चु वनन तस्वीर वुछिथ पनुनि जबॉन्य मंज लफज। 'अ' हरफच पहचान करनु खातरु नचुनावन शुर्य पनुनि ओंगजि तु परन 'अल'। बाक्य लफज परिथ प्रजुनावन शुर्य यिमन लफज़न मंज 'अ' तु तलफुज करनुच कूशिश करना। उस्ताद वनन शुर्येन जि 'अ' कति छु, लफजुकिस शुरुहस दरमियानस तु आँखरस मंज। ब्लैक बोर्डस प्यैठ 'अ' लेखनु विजि लेखि उस्ताद 'अल' लेखन सुत्य त्रे या चोर बेयि ति लफज तु प्रथ शुर्यिस, अकि पतु अकि लटि बुलौविथ परनावि तिमन यिम लफज तु वन्येख अछरन हंज पहचान करनु खौतरु। तिक्याजि प्राइमर छु तिमन लफज़न हुंद इस्तेमाल करनुच कूशिश करान यिमन सुत्य बचु छु असल पौठ्य वौकफ आसान। शुर्य ह्येकन किताबि मंज तस्वीर वुछित यिम लफज परजुनौविथ तु आसौनी सान पनुनि जबॉन्य मंज पॅरिथ। उस्ताद लेखन अख लफज तु वनन शुर्येन जि तिम परन प्रथ हरफ अलग-अलग तु यिकुवट। येलि अख बचु कांह लफज परान छु बाकी बचु दोहरावन अमिस सुत्या। अथ छु 'इजतिमाई मुतालु' वननु यिवान।

लेखुन : शुरुआतस मंज हरफ तु हेजि समझावनस ब्रौह हेछिनावि उस्ताद बच्चन मुख्तलिफ रख। यानी खड़ा, स्येज तु हँज रुख किथुकन्य छि बनावान। हरफच तु हेजि हंज ज्ञान करनु पतु दिन फौरन उस्ताद शुर्येन हेदायथ जि 'अल' लफज़स

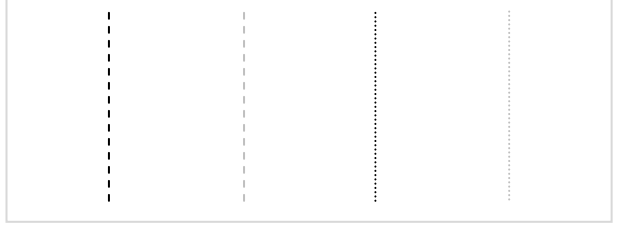
मंज किथु कन्य छु हरुफ 'अ' लेखुना। तिम करन कलमुचि सही हरकैच हुंद मुजाहिरु तु शर्येन करन तहरीरी तौर मदद। अथ छु 'राइटिंग सपोर्ट' वननु यिवाना। अमि पतु करन शुर्य हरफ तु हेजि मंज, यिथ कन्य दिथ छु तिथय पौठ्य इस्तेमाल करिथ, प्राइमरस मंज दिनु आमचन जायन प्यठ, पानय 'अ' लेखनुच मशक। अमि सरगरमी ज़रियि करन उस्ताद शुर्येन परनस तु लेखनावनस मंज रहनुमाई फराहमा।

अमि अलावु हेकि उस्ताद स्कूल लाइब्रेरी मंज दस्तियाब दलीलि किताबु परिथ तु तिमन दलीलन प्यठ कथ करिथ यिम शुर्य आसानी सान बुनियोदी तयौरी हंदिस सतहस प्यठ समजिथ ह्येकन। अगर दलील तु बौथ मुतुलक मादरी ज़बानन मंज बचन बौतन हंजि शकलि मंज यिन पेश करनु तेलि हेकन तिम तिहन्दि खौतरु दिलचस्पी हुंद बायस बनिथा। प्राइमरस मंज फराहम करनु आमुत्य लफ़्ज छि सिर्फ़ खांदगी खौतरु मिसालु, तिक्याज़ि शुर्य छि गोड़य हतुबद्यन लफ़्जन सुत्य वौक़फ़ आसाना।

बोनुकनि दिनु आमचु रुखु वुछिव तिमु रलॉविव:

खड़ा रुख

:



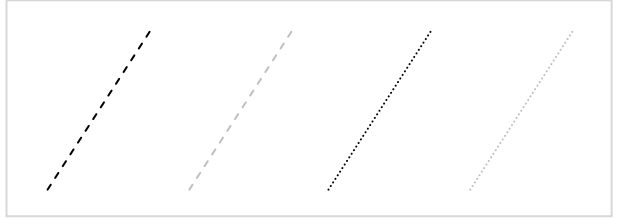
स्यँज रुख

:



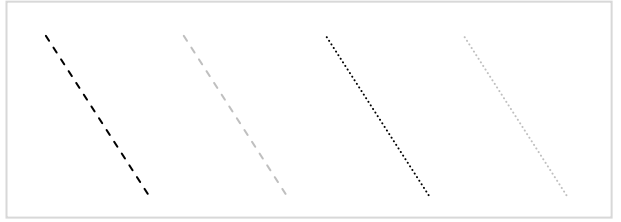
हँज रुख 1

:



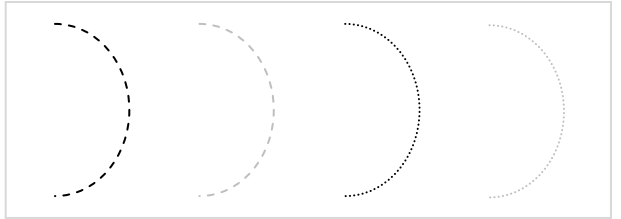
हँज रुख 2

:



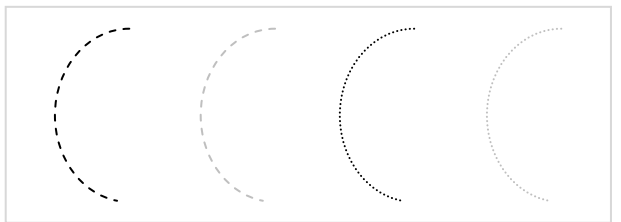
गुमावदार रुख 1

:



गुमावदार रुख 2

:



नोट: व्वसतादस पजि हेछनावुन जि कलम या पेनसल किथुकन्य गछि रटुन तु दिनु आमचन जायन किथुकन्य गछन रुखु दिनु यिनि ।

कौशुर वर्ण

स्वर

इ ई ऐ ए अ उ ऊ ॐ अ
आ उ ऊ ओ ओ अ्व अ्य अं

व्यंजन

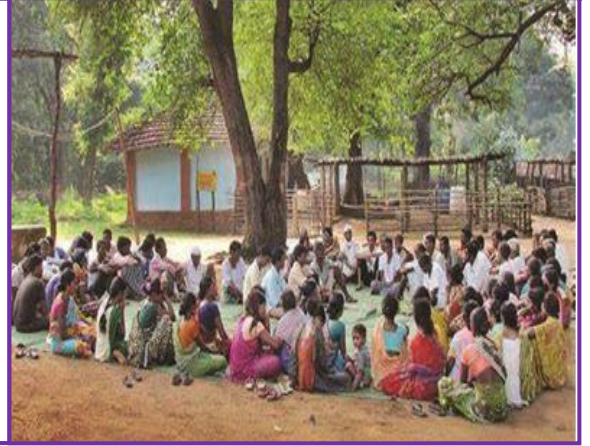
प	फ	ब	त	थ
द	ट	ठ	ड	क
ख	ग	च	छ	ज
त्र	छ	ज़	म	न
स	श	ह	ल	र
य	व			

इ

इनसान

इनसान

इ सुत्य इनसान ।
इनसान छु समजदार आसान ।



इनकार

इनकार



चिट्ठ्य

पत्र



किताब

पुस्तक

इ

इ

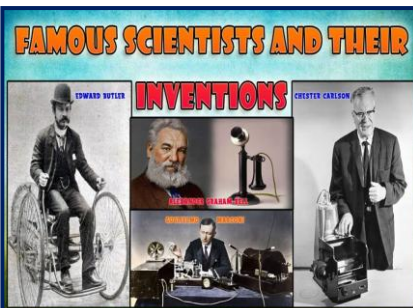
इ

ई

ई-रिक्शु

ई-रिक्शा

ई सुत्य ईमानदार ।
ई-रिक्शु वोल ओस ईमानदार ।



ईजाद

आविष्कार



कॉलीन

कालीन

ई

ई

ई

ई

ई

ਏ

ਲੇਜ

ਹਾਂਡੀ

ਲੇਜ ਏ ਬੱਡ ।



ਲੇਤੁਰ

ਆਰੀ



ਰੇਹ

ਜਵਾਲਾ

ਏ

ਏ

ਏ

ਏ

ਏ

ए

रेल

रेल गाड़ी

रेल छे चलान ।



त्रेश

प्यास



खेश

चादर

ए

ए

ए

ए

ए

अ

ज़

दो

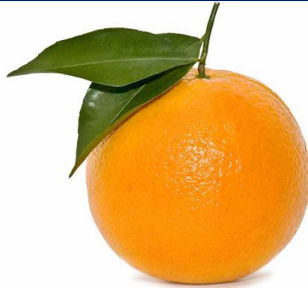
अख तु अख ज़ ।
ज़ लड़क़ छि खड़ा ।

२



तुर

चिथड़ा



संगतरु

सन्तरा

अ

अ

अ

अ

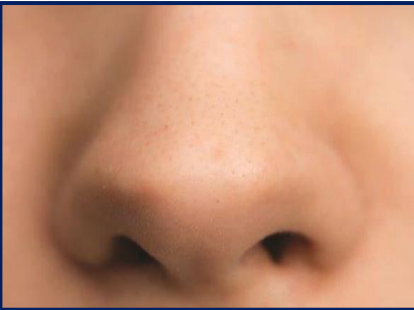
अ

अ

खुम

खेमा

खुम छु माँदानस मन्ज ।



खुन्ख

नाक में बोलना



सुत्य-सुत्य

साथ-साथ

अ

अ

अ

अ

अ

अँ

अँस्य

हम

अँस्य छि कौशिर ।



अँछ

आँखें



मँछ

मकखी

अँ

अँ

अँ

अँ

अँ

आँ

आँल्य

घाँसले

आँ सुत्य आँल्य ।
जानावरव छि आँल्य बनाँवमित्य ।



आँस

मुहँ



आँर

आलूबुखारा

आँ

आँ

आँ

आँ

आँ

अ

अमरुद

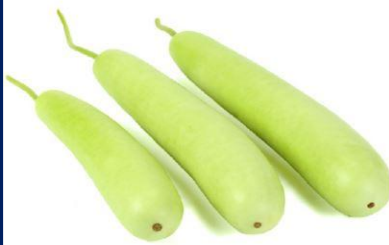
अमरुद

अ सुत्य अमरुद ।
अमरुद छु म्यूठ आसान ।



अदरक

अदरक



अल

लौकी

१

अख

एक

अ

अ

अ

आ

आलु

स्टैथोस्कोप

आ सुत्य आलु।
आलु छु डॉक्टर इस्तेमाल कराना।



आबशार



आराम



असमान

झरना

आराम

आसमान

आ

आ

आ

उ

शुर

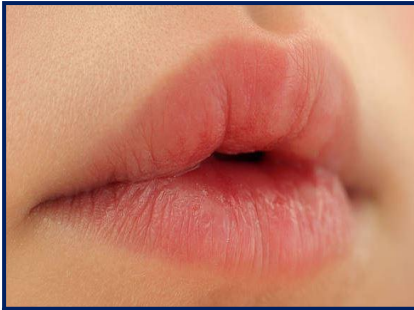
बच्चा

शुर छु किताब परान ।



गुल

फूल



वुठ

होंठ

उ

उ

उ

उ

उ

ऊ

ऊँट

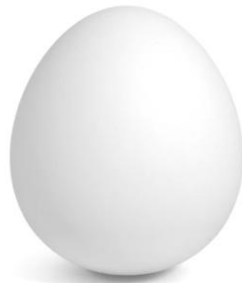
ऊँट

ऊँट छु वारु-वारु पकान ।



न्यूल

नीला



तूल

अंडा

ऊ

ऊ

ऊ

ऊ

ऊ

ओ

नोट

घड़ा

नोट छु पानि बैरिथ ।



दोब



वोछ

ओ

धोबी

बछड़ा

ओ

ओ

ओ

ओ

ओ

पोश

फूल

पोश छु खूबसूरत ।



ओलुव

आलू



ओल

घोंसला

ओ

ओ

ओ

ओ

ओ

अव

क्वकुर

मुर्गा

क्वकुर छु बांग दिवान ।



म्वखतु

मोती



व्वखुल

ओखली

अव

अव

अव

अव

अव

अ्य

बून्य

चिनार

बोनि शहजार छु छावुन लायख
आसान ।



सिमिन्य

शेरनी



ब्रॉर्य

बिल्लियाँ

अ्य

अ्य

अ्य

अ्य

अ्य

अं

टंग

नाशपाती

टंग छु म्यूठ आसान ।



अंब

आम



कंवग

केसर

अं

अं

अं

अं

अं

प

पतंग

पतंग

पतंग छु असमान खसान ।



परदु

परदा



पारसल

पार्सल



पोश

फूल

प

प

प

फ

फल

फल

फल छु टूकरि मन्ज ।



फूलदान

फूलदान



फाटक

फाटक

फ

फ

फ

फ

फ

ब

बतुख

बत्तख

ब सुत्य बतुख । बतुख छु
अँकिस जंगि प्येठ खड़ा ।



बाग

बाग



बादाम

बादाम



बैन्यान

बनियान

ब

ब

ब

त

तुलुर

मधु मक्खी

तुलुर छि माछ सोंबरान ।



तालाब

तालाब



तम्बुर

इमली



तंदूर

तंदूर

त

त

त

थ

थॅन्य

मक्खन

थ सुत्य थॅन्य ।
बु छुस थॅन्य ख्यवान ।



थरमास

थर्मस



थम

स्तंभ



थॅर

टहनी

थ

थ

थ

द

दवाह

दवा

दवाह छि ख्यवान
दोद छु चलान ।



द्रमुन

हरी घास



दस्तावेज

दस्तावेज

द

द

द

द

द

ट

टमाटर

टमाटर

ट सुत्य टमाटर ।
टमाटर छु सेहतु बापथ जान
आसान ।



टूप्प

टोपी



ट्रंक

ट्रंक



टेलीफोन

टेलीफोन

ट

ट

ट

ਠ

ਠਾਂਡੁਰ

ਠਠੇਰਾ

ਠ ਸੁਟ੍ਯ ਠਾਂਡੁਰ ।
ਠਾਂਡੁਰ ਛੁ ਬਾਨੁ ਗਰਾਨ ।



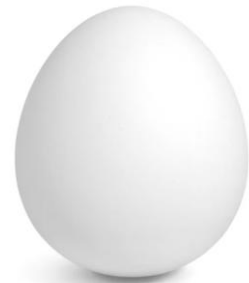
ਠਿੰਗਨੁ

ਬੌਨਾ



ਠਿਕਾਨੁ

ਠਿਕਾਨਾ



ਟੂਲ

ਅੰਡਾ

ਠ

ਠ

ਠ

ड

डूंग

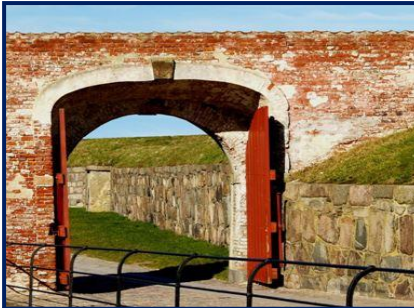
हाउसबोट

डूंगस मंज़ छि
केंह लूख रोज़ान ।



डाकखानु

डाकघर



डीङ्ग

ड्योडी



डून

अखरोट

ड

ड

ड

क

कठ

भेड़

क सुत्य कठ ।
कठ छु गासु मॉदानस मंज ।



क्वकुर

मुर्गा



क्राल

कुम्हार

क

क

क

क

क

ख

खरगोश

खरगोश

ख सुत्य खरगोश ।
खरगोश छु व्वटु तुलान ।



खरबूज़

खरबूज़ा



खव्जु

आदरणीय व्यक्ति

ख

ख

ख

ख

ख

ग

गमलु

गमला

ग सुत्य गमलु ।
गमलस मंज छि पोश ववान ।



गाव

गाय



गाड

मछली



गोलाब

गुलाब

ग

ग

ग

च

चमचु

चमच

च सुत्य चमचु ।

चमचु सुत्य छु बचु द्वद चैवान ।



चंदु

जेब



चार मीनार

चार मीनार



चारपाय

चारपाई

च

च

च

छ

छँतर्य

छाता

छ सुत्य छँतर्य ।
छँतर्य छि रुदु निशु बचावान ।



छान

बढ़ई



छिरु कठ

मेमना



माछ

शहद

छ

छ

छ

ज

जलेबी

जलेबी

ज सुत्य जलेबी ।
जलेबी छि मोदुर आसान ।



जग

जग



बाजु

बाजा

ज

ज

ज

ज

ज

च

चॅर

गौरैया

च सुत्य चॅर ।
चॅर छि बिहिथ ।



चेरु

खुबानी



चून्ठ

सेब

च

च

च

च

च

छ

छावुल

बकरा

छ सुत्य छावुल ।
छावुल छु ह् हेंगव सान ।



छावुज

बकरी



छटुन

सूप

छ

छ

छ

छ

छ

ज़

ज़लुर

मकड़ी

ज़ सुत्य ज़लुर ।
ज़लुर छु ज़ाल वोनान ।



ज़्युन

लकड़ी



ज़ाल

जाल

ज़

ज़

ज़

ज़

ज़

म

मोर

मोर

म सुत्य मोर ।
मोर छु सोन कौमी जानावार ।



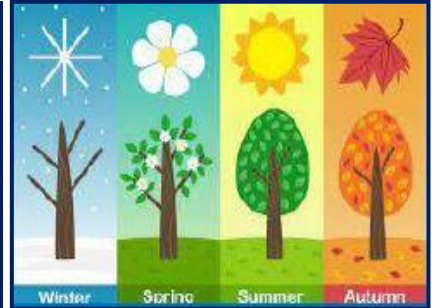
मर्चुवाँगन

मिर्च



मोबाइल

मोबाइल



मूसिम

मौसम

म

म

म

न

नाव

नाव

न सुत्य नाव ।
नाव छि डलस मन्ज़ ।



नस

नाक



नून

नमक



न्यमाज़

नमाज़

न

न

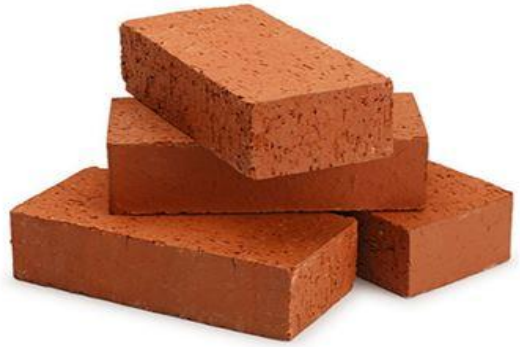
न

स

सीर

ईंट

स सुत्य सीर ।
मकान छु स्येर्यव सुत्य तैयार
स्पदान ।



सरहद

सरहद



समावार

समावार



सराय

सराय

स

स

स

श

शीन

बर्फ

श सुत्य शीन ।
शीन छु प्योमुत ।



शाल



पश

श

शाल

छत

श

श

श

श

ह

हाख

साग

ह सुत्य हाख ।
हाख छु कॉशिर्यन स्यठाह पसंद ।



हाकी

हाकी



हॅलवु

हलुवा



होस

हाथी

ह

ह

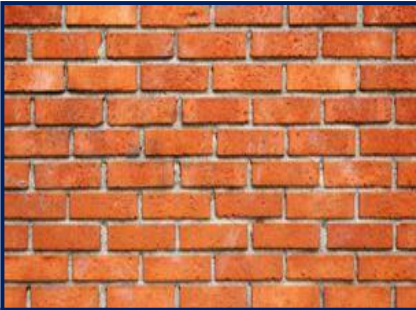
ह

ल

लॉर

खीरा

ल सुत्य लॉर ।
लॉर ख्यमव ।



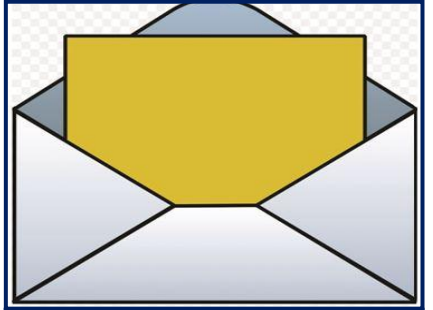
लब

दीवार



लालटीन

लालटेन



लिफाफु

लिफाफा

ल

ल

ल

र

रज़

रस्सी

र सुत्य रज़ ।
रज़ छि ज़ीठ ।



रंग

रंग



राथ

रात



राज़ु

राजा

र

र

र

य

यारुबल

घाट

य सुत्य यारुबल ।
यारुबल छि व्यथि दोन तरफन ।



यख

यख



यार दोस

मित्र



नय

बांसुरी

य

य

य

व

वरदी

वर्दी

व सुत्य वरदी ।
गार्ड छु वरदी लॉगिथ ।



वावुज

पंखी



वॉज

अँगूठी



वांगुन

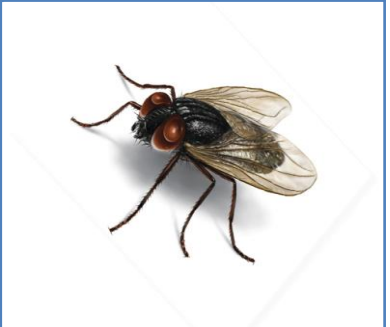
बैंगन

व

व

व

स्वर	मात्रा	उदाहरण	चित्र
इ	ि	ई-रिक्शु	
ई	ी	मकड़ी	
ऐ	े	रेह	
ए	े	रेल	
अ	ु	संगतरु	

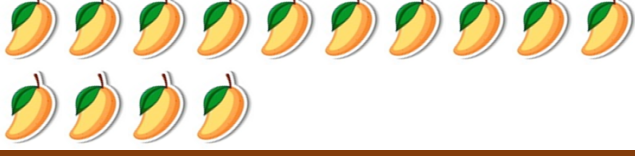
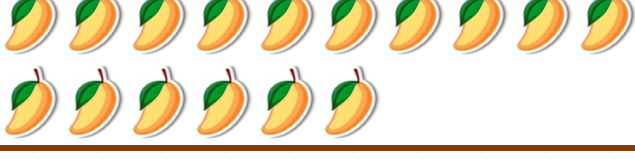
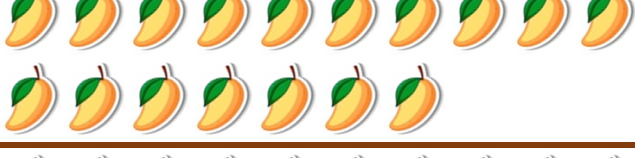
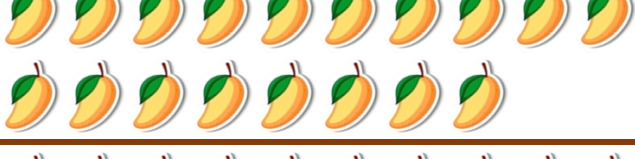
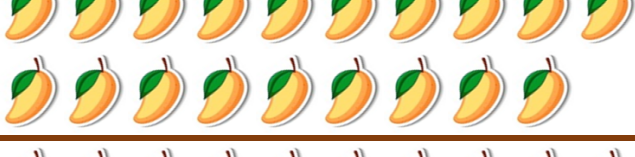
स्वर	मात्रा	उदाहरण	चित्र
ऊ	ू	खूमु	
अँ	ँ	मँछ	
आँ	ॉ	वाँज	
अ	ः	नय	
आ	ा	नाव	

स्वर	मात्रा	उदाहरण	चित्र
उ	ु	शुर	
ऊ	ू	चून्ठ	
ओ	ो	दोब	
ओ	ो	मोर	
अ्व	्व	म्वंखतु	

स्वर	मात्रा	उदाहरण	चित्र
अ्य	्य	बून्य	
अं	ं	पतंग	

ग्रयेद

१	अख		1
२	ज़		2
३	त्रे		3
४	चोर		4
५	पांछ		5
६	शे		6
७	सथ		7
८	ऑठ		8
९	नव		9
१०	दँह		10

११	काह		11
१२	बाह		12
१३	त्रुवाह		13
१४	च़दाह		14
१५	पंदाह		15
१६	शुराह		16
१७	सदाह		17
१८	अरदाह		18
१९	कुनवुह		19
२०	वुह		20

ਧਿ ਗਿਨਤੀ ਲੀਖਿਵ

੧	੧	੧	੧	
੨	੨	੨	੨	
੩	੩	੩	੩	
੪	੪	੪	੪	
੫	੫	੫	੫	
੬	੬	੬	੬	
੭	੭	੭	੭	
੮	੮	੮	੮	
੯	੯	੯	੯	
੧੦	੧੦	੧੦	੧੦	

୧୧	୧୧	୧୧	୧୧	
୧୨	୧୨	୧୨	୧୨	
୧୩	୧୩	୧୩	୧୩	
୧୪	୧୪	୧୪	୧୪	
୧୫	୧୫	୧୫	୧୫	
୧୬	୧୬	୧୬	୧୬	
୧୭	୧୭	୧୭	୧୭	
୧୮	୧୮	୧୮	୧୮	
୧୯	୧୯	୧୯	୧୯	
୨୦	୨୦	୨୦	୨୦	

हिंदी वर्ण

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		
श्र	ड़	ढ़		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala .



For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://epathshala.nic.in/topics.php> and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA .



For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to <https://diksha.gov.in/resources> and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAO	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHLE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PÜ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCOWRY (MÖÜT)	104	TELUGU

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-IV (13)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI (PERSO-ARABIC)	108	GONDI-TELUGU	111	LAI (PAWI)	114	SINDHI (DEVANAGARI)	116	URDU
106	BHILI (WAGDI)	109	KASHMIRI (DEVANAGARI)	112	SANGTAM	115	SINDHI (PERSO-ARABIC)	117	ZEME (ZEMI)
107	CHOKRI	110	KASHMIRI (PERSO-ARABIC)	113	SANTALI (JHARKHAND)				

PRIMERS UNDER PREPARATION (8)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
118	GANGTE	120	KOKBOROK (TRIPURI)	122	SANSKRIT	124	VAIPHEI
119	HINDI	121	PAITE	123	THADOU-KUKI	125	ZOU



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)

Manasagangotri, Mysuru - 570 006

☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg

New Delhi - 110016

☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in